भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

# सेवा संवाद

वर्ष-17, अंक-09, वि. स. 2078, युगाब्द 5123 नवम्बर-2021 डिजिटल संस्करण

**मार्गदर्शक :**

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

**सम्पादक :**

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

**सह-सम्पादक :**

- राजेश

**मुद्रक एवं प्रकाशक :**

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

**प्रबंधक :**

- विजय अग्रवाल

**केन्द्रीय कार्यालय :**

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

**दिल्ली कार्यालय :**

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

**आलोकः** प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

जन्म - 21 अप्रैल 1621 निधन - 11 नवम्बर 1675

## गुरु तेग बहादुर

सिक्ख पंथ के नवम् गुरु, सत्यव्रती विद्वान्।
धर्म-देश की आन पर, किया शीश बलिदान।।
वीर साहसी धर्म-गुरु, राष्ट्र-भक्त निष्काम।
निर्भय क्रान्ति वीर तुम्हें, बारम्बार प्रणाम।।

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है | आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें |

**पाठकों की कलम से -** इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं | अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें |

# भाऊराव देवरस सेवा न्यास

## सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

**न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-**

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन - दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
11. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

# अपनी बात

हमारे शास्त्र और ऋषि-मुनि हमें अधिक स्वस्थ और अधिक विवेक सम्मत जीवन जीने की राह दिखाते हैं। साधु-संत हर उत्सव में पवित्रता का समावेश कर देते हैं, ताकि विभिन्न क्रिया-कलापों की भाग-दौड़ में हम अपनी एकाग्रता न खो दें। रीति-रिवाज, धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा-पाठ ईश्वर के प्रति कृतज्ञता या आभार के प्रतीक ही तो हैं। ये कार्य हमारे उत्सव में गहराई लाते हैं। दीपावली उत्सव की परम्परा है कि हमने जितनी भी धन संपदा कमाई है, उसे अपने सामने रख कर प्रचुरता-तृप्ति का अनुभव करें। जब हम अभाव का अनुभव करते हैं तो अभाव बढ़ता है, परन्तु जब हम अपना ध्यान प्रचुरता पर रखते हैं तो प्रचुरता बढ़ती है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र में कहा है- "धर्मस्य मूलं अर्थ:" अर्थात् सम्पन्नता धर्म का आधार होती है। कुछ लोगों का यह चिन्तन कि दीपावली वर्ष में केवल एक बार आती है, उचित नहीं है। सकारात्मक चिन्तन करने वाले तथा ज्ञानियों के लिए हर दिन - हर क्षण दीपावली है। हर जगह अज्ञान व अन्धकार के विनाश और ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता होती है। यहां तक कि यदि हमारे परिवार का एक भी सदस्य दु:ख के तिमिर में डूबा हो तो हम प्रसन्न नहीं रह सकते। हमें अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के जीवन में, और फिर इसके आगे समाज के हर सदस्य के जीवन में और फिर इस पृथ्वी के हर व्यक्ति के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। यजुर्वेद में कहा गया है - तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु' अर्थात् हमारे इस मन से सदिच्छा प्रकट हो। दीपावली ज्ञान के साथ मनाएं और मानवता की सेवा करने का संकल्प लें। अपने हृदय में प्रेम का तथा घर में प्रचुरता की अनुभूति और तृप्ति का दीपक जलाएं। इसी प्रकार दूसरों की सेवा के लिए करुणा का, अज्ञानता को दूर करने के लिए ज्ञान का और ईश्वर द्वारा प्रदत्त भौतिक-आध्यात्मिक सम्पदा की प्रचुरता के लिए कृतज्ञता का दीपक जलाएं। जीवन में हर दिन ज्ञान प्रकाश और आनन्द की अनुभूति करें पर ध्यान रहे दीपावली में दीपक को प्रज्वलित करने के लिए बाती को तेल में दबाना पड़ता है परंतु यदि बाती पूरी तरह से तेल में डूबी रहे तो यह जलकर प्रकाश नहीं दे पाएगी इसलिए उसे थोड़ा सा बाहर निकाल कर रखते हैं। हमारा जीवन भी दीपक की इसी बाती के समान है। हमें भी इस संसार में रहना है फिर भी इस संसार से अछूता रहना पड़ेगा। यदि हम संसार की भौतिकता में ही डूबे रहेंगे तो हम अपने जीवन में सच्चा आनन्द और ज्ञान नहीं ला पाएंगे। संसार में रहते हुए भी इसके सांसारिक पक्षों में न डूबने से हम आनन्द एवं ज्ञान के द्योतक बन सकते हैं। समाज के प्रत्येक मनुष्य में कुछ अच्छे गुण होते हैं और हमारे द्वारा प्रज्वलित हर दीपक इसी बात का प्रतीक है। सबके भीतर के ये छिपे हुए गुण एक दीपक के समान है। अस्तु केवल एक ही दीपक प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो जाएं, हजारों दीपक जलाएं। अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए हमें अनेक दीपक जलाने की आवश्यकता है। दीपावली हमें स्वयं के जीवन और समाज जीवन के अन्धकार और अज्ञान की कलुषता मिटाकर प्रकाश-ज्ञान, सुख, समृद्धि और आनन्द की ओर 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की भावना से अग्रसर होने का संदेश दे रही है। अस्तु हम प्रकाश पर्व में अंतर्निहित लक्ष्मीपूजन, अज्ञानता, दुख, दारिद्र्य का विनाश, ज्ञान-सुख, आनन्द की प्राप्ति और प्रकाश के आलोक में जीवन जीने की कला सीखें और सिखाएँ।

नवम्बर माह में गुरु तेग बहादुर, बीरबल साहनी, गिजुभाई, लाला लाजपतराय, झलकारी बाई, देवरहा बाबा, एकनाथ रानाडे आदि जैसे अनेक प्रकाश दीपों ने प्रज्वलित होकर हमारे समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनसे प्रेरणा लेकर जीवन सार्थक करें। इन्हीं मनोभावों के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

-शिव

# महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के अन्तर्गत महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर, 2021 को होटल 'कसाया इन', लखनऊ में द्वितीय बैच की बालिकाओं के लिए परिचय एवं स्वागत समारोह का सफल आयोजन किया गया। त्रिस्तरीय चयन प्रक्रिया के उपरान्त उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से इस वर्ष 10 बालिकाओं का चयन सुनिश्चित हुआ है।

## नवचयनित बालिकाएँ - 2021

नंदिनी सिंह
आजमगढ़

जाह्नवी दूबे
गोरखपुर

संध्या तिवारी
प्रयागराज

प्रतिज्ञा त्रिपाठी
अमेठी

आकांक्षा शुक्ला
उन्नाव

निशा गौतम
अंबेडकर नगर

हर्षिता शर्मा
लखीमपुर खीरी

शिवानी यादव
सीतापुर

अनुप्रिया सिंह
जौनपुर

कनक गुप्ता
देवरिया

स्वागत समारोह में नये बैच की सभी बालिकाओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों व मेंटर्स का परस्पर परिचय हुआ। प्रकल्प के सबसे पहले 2020 बैच की बालिकाओं ने प्रकल्प के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए नये बैच की बालिकाओं को प्रकल्प की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उपरोक्त स्वागत समारोह की मुख्य अतिथि डॉ सृष्टि श्रीवास्तव जी (प्रोफेसर मनोविज्ञान, पूर्व प्राचार्या नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ) द्वारा नये बैच के लिए चयनित बालिकाओं को स्मार्टफोन व पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। पिछले बैच की बालिकाएं एवं उनके अभिभावक गण भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और उनके द्वारा प्रकल्प के साथ अपने अब तक के अनुभवों को मंच पर सभी के साथ साझा किया गया। पिछले बैच के साथ-साथ अब नये बैच की आनलाइन कक्षाएं भी आरंभ हो चुकी हैं। इसके साथ ही बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु अगस्त माह से प्रारंभ हुई श्रंखला भी नियमित रूप से आगे बढ़ती हुई विभिन्न विषयों के साथ अपने पांच चरण पूरे कर चुकी है। इस श्रंखला को अधिक रोचक बनाने के उद्देश्य से अब किसी भी विषय के पक्ष-विपक्ष में बोलने के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। नये बैच की बालिकाएं भी इन श्रंखलाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने लगी हैं। अभी कोई भी अतिरिक्त गतिविधि आनलाइन ही करवाने की बाध्यता होने के उपरान्त भी हमारा संस्थान थोड़े थोड़े समय पर नये नये प्रारूप के माध्यम से बालिकाओं में अभिव्यक्ति की कला को निखारने के लिए प्रयत्नशील रहता है ताकि कल एक अच्छी डाक्टर या इंजीनियर बनने के साथ साथ हमारी ये बालिकाएं अपनी बात को उचित प्रकार से अभिव्यक्त कर सुदृढ़ व्यक्तित्व की स्वामिनी भी बन सकें।

# समर्थ भारत

## अक्टूबर माह में किये गए कार्य

- दिल्ली प्रान्त के पूर्वी विभाग के सी-2/92, न्यू अशोक नगर, मयूर विहार, दिल्ली– में समर्थ भारत प्रशिक्षण केंद्र का दिनांक 10 अक्टूबर 2021 को उद्घाटन हुआ। इस केंद्र में ए.सी. और फ्रिज रिपेयर करने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन दिल्ली प्रान्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत प्रचारक श्री कृष्ण जी ने किया।

- दिल्ली प्रान्त के झंडेवालान विभाग के टैंक रोड, सामुदायिक केंद्र, तीसरी मंजिल, सेवा भारती केंद्र, करोल बाग, नई दिल्ली-110005, में समर्थ भारत प्रशिक्षण केंद्र का दिनांक 11 अक्टूबर 2021 को उद्घाटन हुआ। इस केंद्र में ए.सी. व फ्रिज रिपेयर, ब्यूटिशियन एवं हेयर स्टाइलिस्ट का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन दिल्ली प्रान्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह श्रीमान भारत भूषण जी एवं दिल्ली प्रान्त सेवा भारती के प्रांतीय अध्यक्ष माननीय रमेश अग्रवाल जी ने किया।

- **मालवीय नगर केंद्र में अतिथि व्याख्यान - तिथि - 18 अक्टूबर 2021**
  अतिथि परिचय - इंदिरा राय जी - पहले बीएचयू में लेक्चरर के तौर पर काम किया था। "शिक्षा और स्वावलंबन" विषय पर मुख्य ध्यान देने के साथ पिछले 30 वर्षों से सेवा भारती के साथ काम कर रही हैं। दक्षिणी विभाग में सेवा भारती के कई केंद्र विकसित किए हैं। इससे पहले सेवा भारती में विभाग उपाध्यक्ष के रूप में काम किया था और दिल्ली के प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य का भी हिस्सा थीं।

**गतिविधियां -**

1. मालवीय नगर केंद्र में ब्राइडल मेकअप पर गेस्ट लेक्चर हुआ।
2. थ्योरी क्लास 2 घंटे के लिए ली गई जिसके बाद हमारे विशेषज्ञ ने छात्रों को ब्राइडल मेकअप और उसमें होने वाली गलतियों के बारे में निर्देशित किया। इस कक्षा में उन प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया जो आमतौर पर ब्राइडल मेकअप करते हैं।
3. इसके बाद प्रैक्टिकल किया गया जिसमें मालवीय नगर सेंटर की 10 प्रशिक्षार्थियों ने हिस्सा लिया और खुद को दुल्हन के रूप में तैयार किया।

- **सौभाग्यवती उत्सव**

विज्ञान विहार में आनंद विहार वार्ड 18-ई की निगम पार्षद श्रीमती गुंजन गुप्ता के द्वारा करवा चौथ के उपलक्ष्य में सौभाग्यवती उत्सव का आयोजन 22 एवं 23 अक्टूबर को किया गया जिसमें समर्थ भारत की बहनों ने अपने हुनर का प्रयोग करके उस उत्सव में आई बहनों को मेंहदी लगाकर अपनी सेवाएं दी और इस माध्यम से अपनी आय भी शुरू की। यह स्वरोजगार को बढ़ावा देने व बहनों का उत्साहवर्धन करने का एक अच्छा माध्यम रहा।

- **समर्थ भारत दीपावली मिलन समारोह -** समर्थ भारत परिवार का दीपावली मिलन समारोह दिनांक-1 नवम्बर 2021, समय - सायं 5 बजे, पता- 93 साउथ अवेन्यू, दिल्ली में आयोजित होगा। कार्यक्रम में समर्थ भारत के प्रशिक्षण केन्द्रों के सभी प्रशिक्षक और सभी शीर्ष स्तर के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

# विश्राम सदन, एम्स झज्जर, हरियाणा

न्यास द्वारा पहले से ही संचालित 4 विश्राम सदनों की श्रृंखला में एक और नाम 21 अक्टूबर से जुड़ गया। एम्स झज्जर में स्थित नवनिर्मित इनफ़ोसिस फाउंडेशन विश्राम सदन के संचालन का कार्यभार भी न्यास को मिला। इस सदन को संचालित करने करने का दायित्व मिलने का कारण न्यास द्वारा दिल्ली में एम्स स्थित विश्राम सदन को पिछले लगभग 4 वर्षों से सफलता पूर्वक चलाना रहा।

इस अवसर पर देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उपस्थिति ने सभी आगंतुकों में नव ऊर्जा का संचार किया। इनफ़ोसिस फाउंडेशन से श्रीमति सुधा मूर्ति जी और केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख भाई मांडविया जी ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े थे। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य प्रमुख महानुभाव थे- हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, एम्स के निदेशक डॉ गुलेरिया, हरियाणा सरकार में मंत्री श्री अनिल विज एवं अन्य। न्यास की ओर से श्री ओमप्रकाश गोयल (अध्यक्ष), श्री राहुल सिंह (सचिव), श्री रामअवतार किला (कोषाध्यक्ष), श्री राजीव गुगलानी, श्री उमेश गोयल जी, श्री ऐश्वर्य जी, श्री विकास कपूर, श्री विवेक सर्राफ, श्री बलराज जी, श्री सुरेन्द्र डागर जी इत्यादि भी उपस्थित थे।

पहले ही दिन से न्यास ने अपना कार्य भी शुरू कर दिया और 14 सहयोगियों को रहने की सुविधा भी प्रदान की गई। धीरे धीरे अपनी व्यवस्थाओं को सुचारू करते हुए यह संख्या बढ़ाई जाएगी।

इस सदन में 9 तलों पर 806 लोगों के रहने की व्यवस्था है।

अस्पताल के निकट ही स्थित होने के कारण रोगियों और उनके सहायकों के लिए यह स्थान सर्वथा उपयुक्त है। नए भवन में अत्याधुनिक सुविधाएं भी इसे लोकप्रिय बनाती हैं।

# पावन स्मृति - नवम्बर

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

| दिनांक | दिवस | महापुरूष/घटना का नाम |
|---|---|---|
| 2 नवम्बर | जन्म-दिवस | भारत के अंतिम हिन्दू सम्राट : महाराजा रणजीत सिंह |
| 3 नवम्बर | बलिदान-दिवस | प्रथम परमवीर चक्र विजेता : मेजर सोमनाथ शर्मा |
| 10 नवम्बर | बलिदान-दिवस | अमर हुतात्मा : भाई मतिदास, सतिदास एवं दयाला |
| 11 नवम्बर | बलिदान-दिवस | धर्म-रक्षा हेतु बलिदान : गुरु तेग बहादुर |
| 13 नवम्बर | जन्म-दिवस | वनवासियों के सच्चे मित्र : भोगी लाल पांड्या |
| 15 नवम्बर | जन्म-दिवस | वनस्पति शास्त्री : बीरबल साहनी |
| 16 नवम्बर | बलिदान | भगत सिंह के प्रेरणा स्त्रोत : करतार सिंह सराबा |
| 17 नवम्बर | बलिदान | पंजाब केसरी : लाला लाजपत राय |
| 18 नवम्बर | पुण्य-तिथि | निरासक्त संत : देवरहा बाबा |
| 18 नवम्बर | जन्म-दिवस | विवेकानंद शिला स्मारक के शिल्पी : एकनाथ रानाडे |
| 22 नवम्बर | जन्म-दिवस | वीरांगना झलकारी बाई |
| 26 नवम्बर | जन्म-तिथि | क्रांतिकारी भाई हिरदा राम |

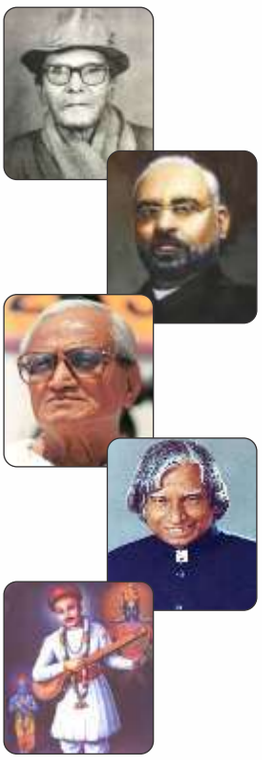

# विनम्र श्रद्धांजलि : श्री ओमप्रकाश गर्ग जी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक तथा राष्ट्र और समाज के प्रति अपना जीवन समर्पित करने वाले श्री ओमप्रकाश गर्ग जी का देहावसान पटना के एक अस्पताल में लम्बी अस्वस्थता के पश्चात् दिनांक 06 नवम्बर, 2021 को हुआ। श्री ओमप्रकाश गर्ग जी का जन्म उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मोरटा नामक ग्राम में श्री बेनी प्रसाद गर्ग जी के घर में दिनांक 21 जून, 1926 को हुआ। बाल्यकाल में ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आ गए थे। वर्ष 1946 में उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में नगर प्रचारक के रूप में अपना प्रचारक जीवन प्रारम्भ किया। तत्पश्चात् आप आगरा, मथुरा, गया, भागलपुर एवं पटना विभाग के विभिन्न दायित्वों पर कार्यरत रहे। आपको वर्ष 1974 में पटना विभाग के विभाग प्रचारक, वर्ष 1985 में उत्तर बिहार के प्रान्त प्रचारक तथा वर्ष 1991 में नेपाल राष्ट्र के प्रचारक का दायित्व सौंपा गया। तत्पश्चात् आपने सीमा सुरक्षा संगठन के अन्तर्गत भारत के बिहार एवं उत्तर प्रदेश की सीमा से लगने वाली नेपाल देश के सीमा का दायित्व का निर्वहन किया। वर्ष 2007 में विश्व हिन्दू परिषद में केन्द्रीय मंत्री एवं नेपाल प्रभारी का दायित्व सौंप दिया गया। वर्ष 2015 से अपने जीवन के अन्तिम समय तक विहिप के प्रबन्ध समिति के सदस्य के रूप में अनवरत आठ वर्षों तक आप कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते रहे। समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व समझते हुए आपने दधीचि देहदान समिति को अपना नेत्रदान एवं देहदान करके कार्यकर्ताओं के समक्ष एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है।इन दायित्वों के साथ ही 'भाऊराव देवरस सेवा न्यास' की एवं उसकी अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'सेवा चेतना' की बराबर चिन्ता करते थे। न्यास के सेवा कार्यों एवं उसके प्रकल्पों के लिए धन संग्रह में भी वे बहुत मददगार रहे। संघ के ऐसे श्रेष्ठ प्रचारक एवं श्वेत वस्त्रधारी सन्यासी को भाऊराव देवरस सेवा न्यास के सभी कार्यकर्ता अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

।।ॐ शांतिः शांतिः शांतिः ।।

## गुरु तेग बहादुर

(1 अप्रैल 1621 – 11 नवम्बर, 1675)

गुरु तेग बहादुर सिखों के नवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धान्त की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है। गुरुजी मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतन्त्रता के लिए अपनी महान शहादत देने वाले एक क्रान्तिकारी युग पुरुष थे। ऐसे महापुरुषों का जीवन दर्शन आज भी हमारे लिए अनुकरणीय और प्रेरक है।

## बीरबल साहनी

(जन्म : 14 नवंबर, 1891, म्रत्यु : 10 अप्रैल, 1949)

बीरबल साहनी का जन्म पश्चिमी पंजाब (पाकिस्तान) के शाहपुर जिले के भेड़ा नामक एक छोटे से व्यापारिक नगर में हुआ था। इनके पिता रसायन के प्राध्यापक थे। प्रोफेसर बीरबल साहनी अपने अनुसंधान कार्य में कभी हार नहीं मानते थे, बल्कि कठिन से कठिन समस्या का समाधान ढूंढने के लिए सदैव तत्पर रहते थे। उन्होंने कैम्ब्रिज के प्रोफेसर अर्नेस्ट रदरफोर्ड तथा कोपेनहेगन के नाइल्सबोर के साथ रेडियोसक्रियता पर अन्वेषण कार्य किया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने इनके सम्मान में 'बीरबल साहनी पदक' की स्थापना की है, जो भारत के सर्वश्रेष्ठ वनस्पति वैज्ञानिक को दिया जाता है। इनके छात्रों ने अनेक नए पौधों का नाम साहनी के नाम पर रखकर इनके नाम को अमर बनाए रखने का प्रयत्न किया है।

## लाला लाजपत राय

(28 जनवरी 1865 – 17 नवम्बर 1928)

लाला लाजपतराय भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। इन्हें पंजाब केसरी भी कहा जाता है। ये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के तीन प्रमुख नेताओं लाल-बाल-पाल में से एक थे। इन्होंने साइमन कमीशन के विरुद्ध एक प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसके दौरान हुए लाठी-चार्ज में ये बुरी तरह से घायल हो गये और अन्ततः 17 नवम्बर सन् 1928 को इनकी महान आत्मा ने पार्थिव देह त्याग दी। उनके इस महान बलिदान से प्रेरणा लेकर अनेक युवा स्वतन्त्रता आन्दोलन में कूद पड़े।

## झलकारी बाई

(22 नवंबर 1830 - 4 अप्रैल 1857)

झलकारी बाई झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थीं। वे लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थीं इस कारण शत्रु को गुमराह करने के लिए वे रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं। अपने अंतिम समय में भी वे रानी के वेश में युद्ध करते हुए वे अंग्रेज़ों के हाथों पकड़ी गयीं और रानी को किले से भाग निकलने का अवसर मिल गया। झलकारी बाई की गाथा आज भी बुंदेलखंड की लोकगाथाओं और लोकगीतों में सुनी जा सकती है।

## देवरहा बाबा

भारत के उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में एक योगी, सिद्ध महापुरुष एवं सन्तपुरुष थे। डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद, महामना मदन मोहन मालवीय, पुरुषोत्तमदास टंडन, जैसी विभूतियों ने पूज्य देवरहा बाबा के समय-समय पर दर्शन कर अपने को कृतार्थ अनुभव किया था। पूज्य महर्षि पातंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग में पारंगत थे।

पूरे जीवन निर्वस्त्र रहने वाले बाबा धरती से 12 फुट ऊंचे लकड़ी से बने एक मचान में रहते थे। वह नीचे केवल सुबह के समय स्नान करने के लिए आते थे। बाबा परम रामभक्त थे, उनके मुख में सदा राम नाम का वास था, वह भक्तों को भी सिर्फ राम मंत्र की ही दीक्षा दिया करते थे। उन्होंने पूरे जीवन कुछ नहीं खाया। सिर्फ दूध और शहद पीकर जीते थे। उनके भक्त आज भी बड़ी श्रद्धा से उन्हें याद करते हैं।

## एकनाथ रानाडे

(जन्म 19 नवंबर 1914, निधन 22 अगस्त 1982)

एकनाथ रानाडे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक समर्पित कार्यकर्ता थे जिन्होंने सन् 1926 से ही संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वाह किया। 1936 में वे प्रचारक के रूप में मध्य प्रदेश में गए। बाद में उन्होंने पूरे देश का दौरा कर संघ कार्य का विस्तार किया।

कन्याकुमारी स्थित विवेकानन्द स्मारक शिला के निर्माण के लिये आन्दोलन करने एवं सफलतापूर्वक इस स्मारक का निर्माण करने के कारण प्रसिद्ध हैं। देश के करोड़ों लोगों को एक रूपये का चंदा देने के माध्यम से भावनात्मक रूप से विवेकानंद स्मारक शिला के निर्माण से जोड़ा।

# विभिन्न विश्राम सदनों में अक्टूबर - 2021 की उपस्थिति

| क्र.स. | राज्य/देश | माधव सेवा आश्रम, लखनऊ | KGMU, लखनऊ | विश्राम सदन, दिल्ली | IGIMS, पटना | एम्स, झज्जर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जम्मू कश्मीर | | | 2 | | |
| 2 | हिमाचल प्रदेश | | | | | |
| 3 | पंजाब | | | | | |
| 4 | हरियाणा | | | 4 | 2 | 38 |
| 5 | दिल्ली | 6 | 7 | 7 | | 13 |
| 6 | उत्तराखंड | | | 5 | | |
| 7 | उत्तर प्रदेश | 1659 | 611 | 100 | 8 | 45 |
| 8 | बिहार | 619 | 22 | 116 | 1092 | 10 |
| 9 | झारखण्ड | 59 | | 13 | 27 | |
| 10 | सिक्किम | | | | | |
| 11 | नागालैंड | | | | | |
| 12 | असम | | | 1 | | |
| 13 | मणिपुर /मिजोरम | | | | | |
| 14 | अरुणाचल प्रदेश | | | | | |
| 15 | त्रिपुरा | | | | | |
| 16 | मेघालय | | | | | |
| 17 | प. बंगाल | 14 | | 2 | | 2 |
| 18 | ओडिशा/अंदमान | 2 | | 2 | | |
| 19 | आंध्रप्रदेश/तेलंगाना | | | 1 | | |
| 20 | तमिलनाडु /पुदुच्चेरी | | | | | |
| 21 | कर्नाटक | | | | | |
| 22 | केरल | | | | | |
| 23 | महाराष्ट्र /गोवा | 11 | 3 | | | |
| 24 | मध्य प्रदेश | 61 | | 22 | | 10 |
| 25 | छतीसगढ़ | 11 | | | | |
| 26 | गुजरात | | | | | |
| 27 | राजस्थान | | 3 | 17 | | 6 |
| 28 | अन्य | 9 | | | | |
| | **पड़ोसी देश** | | | | | |
| 29 | नेपाल | 5 | 2 | | 10 | |
| 30 | बांग्लादेश | | | | | |
| 31 | अन्य देश | | | | | |
| | **योग (इस मास)** | **2456** | **648** | **291** | **1129** | **124** |
| | **योग (अप्रैल-अक्टूबर 2021)** | **13459** | **3352** | **2239** | **5736** | **124** |

# स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

## लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

| सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र | अक्टूबर | योग अप्रैल - अक्टू. 2021 |
|---|---|---|
| (सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा) | 148 | 503 |
| (51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब) | 33 | 46 |
| अम्बेडकर नगर | 36 | 101 |
| माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर | | |
| एलोपेथिक | 460 | 1312 |
| होम्योपैथिक | 293 | 1458 |
| रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ | 238 | 1479 |
| **कुल लाभान्वित रोगी** | **1208** | **4966** |

# देवड़े नेत्र चिकित्सालय

## अक्टूबर 2021 में दी गई सेवाएँ

| | अक्टूबर | योग अप्रैल - अक्टू. 2021 |
|---|---|---|
| नेत्र परीक्षण | 510 | 2049 |
| चश्मा वितरण | 345 | 1349 |
| मोतियाबिंद ऑपरेशन | -- | -- |
| पैथोलॉजी | 100 | 108 |

**आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।**

**अपने क्षेत्र में सेवा से जुड़ा कोई प्रकल्प है तो उसकी जानकारी चित्र सहित भेजें। उसे अपने अंक में प्रकाशित करने का प्रयास रहेगा। अपना फोन नंबर अवश्य दें।**

# भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

| प्रकल्प का नाम | सम्पर्क सूत्र | दूरभाष |
|---|---|---|
| स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ | श्री ओ.पी. श्रीवास्तव | 9839785395 |
| माधव सेवा आश्रम, लखनऊ | श्री शरद जैन | 9670077777 |
| महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ | श्री रंजीव तिवारी | 9731525522 |
| महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ | श्रीमती अर्चना दीक्षित | 9821483861 |
| सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ | डॉ हरमेश चौहान | 9450930087 |
| विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ | श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल | 9415003111 |
| देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ | श्री राजेश | 9793120738 |
| सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ | डॉ शिवभूषण त्रिपाठी | 9451176775 |
| सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) लखनऊ | डॉ विजय कर्ण | 8887671004 |
| एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली | श्री राजीव गुगलानी | 9810262200 |
| अक्षय सेवा, दिल्ली | श्री रामअवतार किला | 9811052464 |
| समर्थ भारत, दिल्ली | श्री शोनाल गुप्ता | 9811190016 |
| भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र | श्री गौरव गर्ग | 9918532007 |
| विश्राम सदन, IGIMS पटना (बिहार) | श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह | 9431114457 |
| विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा) | श्री विकास कपूर | 9818098600 |